केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 48 शनिवार 6 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

शिक्षामित्र और अनुदेशकों का बढ़ेगा मानदेय–योगी

लखनऊ (आभा)। शिक्षक दिवस के मौके पर सीएम योगी ने बड़ा ऐलान किया है। दिवाली से पहले सीएम योगी ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को तोहफा दिया है। सीएम योगी ने ऐलान करते हुए कहा कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाया जाएगा। प्रदेश में

शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें बेसिक माध्यमिक वित्त विभिन्न अशासकीय विद्यालयों के करीब 9 लाख शिक्षक लाभान्वित होंगे। इसके अलावा शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। वहीं एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के बारे में जल्द ही अपनी संस्तुति देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेय की घोषणा करेगी। शुक्रवार को राजधानी में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ परिषदीय स्कूलों के 66 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया। साथ ही सीएम योगी ने राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए टैबलेट, विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए प्रधानाचार्यों को टैबलेट और प्रमाण पत्र वितरित किए। शिक्षकों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, बेसिक शिक्षा विभाग बाल वाटिका का एक नया रूप लाया है। इस सत्र में पांच हजार से अधिक बाल वाटिकाएं शुरू हो चुकी हैं।

रविन्द्रनाथ मिश्र ठेकेदार एसोसिएशन अध्यक्ष घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ठेकेदार एसोसिएशन की बैठक शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड के परिसर में स्थित संघ भवन पर सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व सम्मत से रविन्द्रनाथ मिश्र अध्यक्ष घोषित किये गये। अन्य पदाधिकारी और सदस्य पूर्ववत रहेंगे। यह निर्णय अध्यक्ष जय नरायन सिंह उर्फ अमर सिंह के निधन के कारण लिया गया।

अध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद रविन्द्रनाथ मिश्र ने कहा कि ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के लिये हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री गोविन्दनाथ पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयन्ती सिंह, उमेश चन्द्र त्रिपाठी, घनश्याम तिवारी, भुवनेश प्रताप सिंह, प्रेम सागर गुप्ता, अशोक सिंह, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', करीम अहमद, हरिनरायन द्विवेदी, प्रदीप सिंह, आनन्द तिवारी, परशुराम सिंह, बनवारीलाल, राघवराम यादव, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, अरूण मिश्र, अजमत, विशुनदेव दूबे, संतराम चौधरी, अनिल सिंह, सुरेश चौधरी के साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में शिक्षक दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। निदेशक जय प्रकाश तिवारी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि गुरु–शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है। जीवन में माता–पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। कहा जाता है कि जीवन के सबसे पहले गुरु हमारे माता–पिता होते हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है, लेकिन जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं। सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

निदेशिक सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने कहा कि शिक्षक दिवस पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करने का दिन है जिन्होने अपना जन्म दिन गुरूजनों को समर्पित कर दिया। प्रधानाचार्या दीपिका तिवारी ने कहा कि 'गुरु' का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व होता है। समाज में भी उनका अपना एक विशिष्ट स्थान होता है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा में बहुत विश्वास रखते थे। वे एक महान दार्शनिक और शिक्षक थे। उन्हें अध्यापन से गहरा प्रेम था। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनमें विद्यमान थे।

इस अवसर पर छात्रों ने गुरूजनों के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर उन्हें उपहार भेंट किया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने गुरूजनों को विशेष उपहार देते हुये कहा कि इनके सहयोग और समर्पण के बिना विद्यालय चलाना असंभव है। कार्यक्रम में आबिद अरशद, द्विवेन्द्र मिश्र, ऋषिका यादव, प्रियंका त्रिपाठी, ए.के. मिश्र, प्रिया राय, रानी, प्रतिमा, शिखा, महेश पाण्डेय, रूचि, जैबी आदि ने छात्रों को शिक्षक दिवस के महत्व की जानकारी दिया।छात्रा–छात्राओं मानसी, राजश्री तिवारी, रौनक, शिवाकान्त, फरहान, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, अलका, आराध्या, श्रेया, साक्षी, अंजली, एन्जल, मोहिनी, अलका, आदिति मिश्रा, दिव्यांशी, अन्वी, निषिका, गरिमा, मानसी, खुशी, रौना, शिवाकान्त आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

शिक्षक दिवस पर अटेवा ने पुरानी पेंशन बहाली के लिये रखा उपवास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) इकाई बस्ती ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शनिवार को पुरानी पेंशन बहाली हेतु उपवास रखा।

जिलासंयोजक तौआब अली ने कहा कि देश के शिक्षकों कर्मचारियों का वास्तविक सम्मान उनके बुढ़ापे लाठी पुरानी पेंशन है। हम सरकार से मांग करते हैं कि शिक्षक दिवस के सम्मान में शिक्षकों कर्मचारियों के लिए

फिर से पुरानी पेंशन चालू किया जाए। जिससे उनका बुढ़ापा सुरक्षित हो सके।

मंडलीय महामंत्री दीपक सिंह प्रेमी ,आय व्यय निरीक्षक डॉ कमलेश चौधरी ने कहा कि नई पेंशन और यूनिफाइड पेंशन में अनेक खामियां हैं जो हमारे लिए उपयुक्त नहीं हैं। इसे वापस लेकर सरकार को पुनः पुरानी पेंशन बहाल करना चाहिए। उपवास को समर्थन दे रहे उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के प्रदेश कोषाध्यक्ष बिजेंद्र वर्मा, प्रदेशीय मंत्री रुव नारायण चौधरी , जिलाध्यक्ष अजय वर्मा ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों का हक है, इससे वंचित रखना कर्मचारियों के साथ अन्याय है।

अटेवा के संरक्षक प्रमोद ओझा, बृजेश वर्मा,देवेंद्र तिवारी जिला मीडिया प्रभारी नीरज वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षक कर्मचारी को सरकार पुरानी पेंशन बहाल कर सामाजिक सुरक्षा प्रदान करे।यही उसका असली सम्मान है। इस दौरान राकेश सिंह अमर चंद, बाबूराम वर्मा,विपिन कुमार,राहुल चौधरी,रमेश कुमार,रामनाथ सहित अटेवा के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उपवास रखा।

शिक्षकों ने सौंपा पत्र, समस्याओं के निस्तारण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ.प्र. सीनियर बेसिक शिक्षक संघ ओंकार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षकों और पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और वित्त एवं लेखाधिकारी को पत्र देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया।

सौंपे पत्र में सहायता प्राप्त जूनियर विद्यालय में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की समस्याओं जिसमें कार्यरत, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को प्रोन्नत वेतनमान दिये जाने, लिपिक, अनुचरों का कई महीनों से ए.सी.पी. का लाभ न मिलने का ध्यानाकर्षण करते हुये मांग किया गया है कि इसका प्रभावी और त्वरित निस्तारण कराया जाय।

पत्र देने के बाद संघ अध्यक्ष ओंकार सिंह ने बताया कि बीएसए ने समस्याओं को ध्यान से समझा और उसके निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया है। बताया कि शिक्षकों का प्रोन्नत वेतनमान लागू न होने और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों लिपिक, अनुचरों का कई महीनों से ए.सी.पी. का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश संयुक्तमंत्री वागीश पाण्डेय, जिला महामंत्री गोपीनाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष धर्मराज चौधरी, लेखा परीक्षक विजय कुमार सिंह के साथ, भानु प्रताप शुक्ल, डॉ. राजेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

दबंगों ने दलित छात्र को मारा पीटा: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । परसुरामपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर निवासी दलित अभिषेक पुत्र श्री निवास ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगायी है।

एसपी को दिये पत्र में अभिषेक ने कहा है कि वह अपने मामा सूर्यमान पुत्र हृदयराम के यहां रहकर बाबा बैजनाथ त्रिपाठी इण्टर कालेज केनौना में कक्षा 11 का छात्र है। गत 30 अगस्त को स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर जा रहा था कि रास्ते में पहले से मुस्कान हार्डिएल के सामने पुलिया के पास अमन दूबे पुत्र सप्पू, विश्वास दूबे पुत्र राजेन्द्र, आलोक गिरी पुत्र राजेश गिरी निवासी रानीगांव थाना हर्रया ने जाति सूचक भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये बुरी

तरह से मारा पीटा। जेब में रखा 100 रूपया जबरदस्ती छीन लिया और धमकी दी कि स्कूल पढने जाओगे तो जान से खत्म कर देंगे। घटना की सूचना चौकी केनौना और छावनी थाने पर दिया गया किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया न ही डाक्टरी मुआयना कराया। उक्त लोग दबंग और बदमाश किस्म के हैं जिससे अभिषेक और उसका परिवार डरा सहमा है। उसने मामले में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की मांग किया है।

संकल्पों के साथ मनाया गया डॉ. अंबेडकर शिक्षा समिति का तीसरा स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डॉ. अंबेडकर शिक्षा समिति ने शुक्रवार को अपना तीसरा स्थापना दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया। समिति का यह आयोजन शिक्षा, समानता और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा, जो बाबा साहब अंबेडकर के विचारों से प्रेरित है। समिति के संस्थापक अध्यक्ष दिग्विजय कुमार ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना है। इसी क्रम में समिति द्वारा पाठशाला का संचालन किया जा रहा है, जहाँ जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त में पढ़ाई कराई जा रही है। बाबा साहब के आदर्शों पर चलकर हम हर गरीब, शोषित और वंचित वर्ग को शिक्षित करने का संकल्प दोहराते हैं। शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समिति द्वारा बनकटी विकासखंड अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मनिकौरा खुर्द सहित अन्य कई विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को शैक्षिक सामग्री वितरित की गई।

इस दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्हें कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, ज्योमेट्री बॉक्स आदि आवश्यक सामग्री दी गई। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने में सहयोग देना है। कार्यक्रम में इंद्रसेन राव, अमरेश राव, रूपेश राव, देवेंद्र प्रकाश, बृजेश कुमार, अमन, राममनी मास्टर, अशोक, अनिल गुप्ता आदि शामिल रहे।

शिव शंकर पाण्डेय अध्यक्ष, भूपेन्द्र प्रताप सिंह महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक कार्यवाहक अध्यक्ष शिव शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संगठन के चुनाव में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। बैठक के बाद पदाधिकारियों का सर्व सम्मत से चयन किया गया जिसमें शिव शंकर पाण्डेय अध्यक्ष, भूपेंद्र प्रताप सिंह महामंत्री ,राहुल सिंह उपाध्यक्ष, सर्वेश पाण्डेय ,लवकुश शुक्ला सुनील कुमार यादव ,डॉ. विजय सिंह रागिनी पाण्डेय पूजा सिंह कौशिक उपाध्यक्ष, पुष्कर चौधरी कोषाध्यक्ष ,अखिलेश मिश्रा, अभिनव सिंह संगठन मंत्री, विपिन कुमार सिंह और अखंड सिंह मीडिया प्रभारी घोषित किये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वस्थ, समर्थ समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कहा कि निश्चित रूप से पदाधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के सदस्य शामिल रहे।

शिक्षक दिवस पर कायस्थ सेवा ट्रस्ट ने गुरूजनों को सम्मानित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को चित्रगुप्त मंदिर के सभागार में कायस्थ सेवा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में शिक्षक डॉ. नवीन श्रीवास्तव और आशीष श्रीवास्तव को अंगवस्त्र और चित्रगुप्त भगवान की प्रतिमा भेंट पर सम्मानित किया गया।

जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि देश के पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन पर शिक्षकों को सम्मानित किया जाना गौरव का विषय है। सच्चे अर्थों में शिक्षक अपने ज्ञान से हम सबको नया जीवन देते हैं। ट्रस्ट के संरक्षक दिनेश श्रीवास्तव मास्टर साहब , राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि गुरूजनों को समाज में श्रेष्ठ स्थान दिया गया है। संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय मनीषा में गुरू को ईश्वर से श्रेष्ठ कहा गया है। 'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े काके लागो पाय, बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय' शिक्षक समाज के मार्ग दर्शक है।

इस अवसर पर ट्रस्ट वरिष्ठ पदाधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव , नितेश श्रीवास्तव , दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव , मंडल संरक्षक डब्बू श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव,सलाहकार समिति के सदस्य अनिल श्रीवास्तव , राहुल श्रीवास्तव , संतोष श्रीवास्तव , मंडल उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव , मंडल संगठन महामंत्री उमेश श्रीवास्तव , वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव , अंकुर श्रीवास्तव , सुजीत श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित हुये शिक्षक:समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण– राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा प्रेस क्लब सभागार में डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप शिक्षकों को उनके योगदान के लिये समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में माता–पिता के बाद शिक्षक का स्थान सर्वोच्च है।

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, विधायक राजेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, सपा नेता दयाशंकर मिश्र ने सम्मानित किये गये शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि शिक्षक के मस्तिष्क में सृजन और

प्रलय दोनों पलते हैं। अच्छा हो कि प्रदेश सरकार शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों की समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराये जिससे पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन ने शिक्षकों के लिये जो भावना व्यक्त किया था वह जमीनी धरातल पर साकार हो। डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने अतिथियों, शिक्षकों का स्वागत करते हुये बताया कि विजय प्रकाश प्रजापति, सुनील कुमार मौर्य, धर्मेन्द्र कुमार निषाद, इरफान अहमद, डा. त्रिलोकी नाथ, प्रमुनाथ पाण्डेय, दुर्गेश यादव, रुद्रनाथ सिंह को उनके शैक्षणिक योगदान के लिये समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। संचालन महामंत्री श्रीनाथ विश्वकर्मा ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. प्रमोद उपाध्याय, डॉ. वीरेन्द्र उपाध्याय, डॉ. अरुन मिश्र, डॉ. बेचन यादव, डॉ. राजकिशोर वर्मा, डॉ. फूलदेव यादव, बी.एन. तिवारी, चक्रधर मौर्य, रमेश चन्द्र गौतम, तफज्जुल हुसेन, पवन चौधरी, रामभवन यादव, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. अजय यादव, दरवेश यादव, हरीराम, हरीश, दिनेश यादव के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोग मौजूद रहे।

शिक्षक संघ ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन :शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता पर रचनात्मक सहयोग करे सरकार- उदयशंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों, संघ पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन देकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के क्रम में देश के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश मामलों में प्रभावी पहल किये जाने का आग्रह किया गया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो जाने के दूरगामी क्षतिकारी परिणाम होंगे। इस निर्णय से सेवारत शिक्षक हितों के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक संदेश जाने से शिक्षकों में अपने भविष्य और आजीविका संकटग्रस्त होने से, शिक्षा प्रणाली की स्थिरता और गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका व्याप्त है।

ज्ञापन देने के बाद शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र में अनुरोध किया गया है कि जो शिक्षक सेवारत हैं उनकी नियुक्ति

तत्कालीन सेवा नियमावली के अनुरूप है, इसलिए वर्तमान नियुक्ति अर्हता शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किये जाने के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार किये जाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री से संगठन की ओर से मांग की गई है कि सेवा नियमावली के आलोक में शिक्षकों की नियुक्ति तत्कालीन योग्यता और अर्हता के अनुसार की गई थी इसलिए वर्तमान चयन अर्हता को आधार मानते हुए वर्षों पहले चयनित शिक्षकों को अयोग्य ठहराया जाना न्याय के कल्याणकारी सिद्धांतों के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री से अपील किया गया है कि शिक्षकों की मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए संगठन प्रतिनिधिगण एवं विभागीय अधिकारियों के साथ वर्तमान निर्णय के निहितार्थ की समीक्षा किया जाना चाहिए और प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था के समस्त हित धारकों के परामर्श से एक श्रेष्ठ नीतिगत समाधान की मांग संपूर्ण भारत के शिक्षकों की आशा है जिस हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार हेतु आवश्यक निर्णय शीघ्र लिया जाना चाहिए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष उदय शंकर जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह व जिला उपाध्यक्ष महेश कुमार आदि ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अभय सिंह यादव, सदर अध्यक्ष शैल शुक्ल, रक्षा राम वर्मा, सतीश शंकर शुक्ल, अरविन्द कुमार पाण्डेय, नरेन्द्र कुमार द्विवेदी, प्रणव मिश्रा, अविनाश मिश्रा, शुभम मिश्रा, चन्द्र मिश्रा ,देवेन्द्र वर्मा, भरतराम, रामपाल चौधरी, विजय कन्नौजिया, रामपति कन्नौजिया, चन्द्रभान चौरसिया, कन्हैयालाल भारती, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, विनय कुमार ,त्रिलोकी नाथ, जितेन्द्र बहादुर, रवीन्द्र नाथ, राजीव पाण्डेय, पीयूष मौर्या ,अरविन्द कुमार ,अनिल कुमार सिंह, संतोष कुमार ,अभिषेक जायसवाल,मिथलेश मिश्रा, गुरूलाल, इन्द्रसेन, गिरजेश प्रसाद चौधरी, पाटेश्वरी निषाद,दिवाकर सिंह, महेश कुमार, रजनीश मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय, अनुप सिंह, बृजेश कुमार पाण्डेय, बुद्धिराम यादव, अरविन्द यादव, मो0 सलाम, राजेश पाठक, योगेश्वर प्रसाद शुक्ला, सुशील कुमार, राजेश कुमार चौधरी, ओंकार उपाध्याय, विनोद कुमार गौतम, अभय सिंह यादव, अनिल कुमार , मारूफ खान, रवि प्रताप सिंह, मंजेश राजभरारामरेखा चौधरी, चन्द्रशेखर शर्मा आदि शामिल रहे।

राजन इण्टरनेशनल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस, सम्मानित हुये गुरूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजन इंटरनेशनल एकेडमी में शिक्षक दिवस संकल्प और उल्लास के साथ मनाया गया। प्रबन्ध निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने भारत रत्न डॉक्टर राधाकृष्णन सर्वपल्ली एवं पूर्वाचल के मालवीय कहे जाने वाले पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केक भी काटा गया।

कार्यक्रम में एकेडमी के बच्चों द्वारा अनेकों रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एकेडमी के तरफ से सभी शिक्षकों को उपहार भी वितरित किया गया।

प्रबन्ध निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि जीवन में गुरु का साथ होना ही आपको अर्जुन की भांति लक्ष्यभेदी बना सकता है। गुरु अपने

शिष्यों को जीवन को आकार देते हैं। जिस प्रकार कच्ची मिट्टी को कुम्हार आकार देकर उससे सुंदर वस्तुएं बनाता है और उस मिट्टी की कीमत कई गुणा ज्यादा तक बढ़ जाती है। कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने कहा माता–पिता के बाद शिक्षक ही होते हैं, जो हमें गलत राह पर जाने से बचाते हैं। जिंदगी में सही–गलत का फर्क समझाते हैं और समाज में हमें एक बेहतर इंसान बनाने की तमाम कोशिशें करते हैं। किसी भी व्यक्ति के जीवन में शिक्षक का सबसे बड़ा हाथ होता है।

प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा शिक्षक किसी भी विद्यालय की रीढ़ होते हैं। उनके बिना कोई भी विद्यालय सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।हर इंसान के जीवन में उसके गुरु का सबसे बड़ा हाथ होता है बगैर गुरु के किसी भी शिष्य के जीवन को उचित दिशा नहीं मिल सकती है।

कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र यदुवंशी जीत ने किया, इस दौरान सौरभ पाण्डेय, अमित मिश्रा, श्वेता त्रिपाठी प्रमिला शुक्ला, रेखा श्रीवास्तव, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, प्रियंका यादव आकृति साहू, दीपांजलि, पूनम गुप्ता, शिप्रा, सुषमा गुप्ता रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, दिव्या पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, शिक्षा बरनवाल, नैन्सी चौधरी, तहजीब मिर्जा, आकृति पाण्डेय,रूपा, अर्चना पटेल, मनीषा गुप्ता, सुमन, गोपाल सिंह, सौम्या पाण्डेय, श्रद्धा पाण्डेय, ज्योति पाण्डेय, हर्षिका शुक्ला, माया शुक्ला, अर्चना द्विवेदी, सुष्मिता मन्ना, प्रभा त्रिपाठी, हर्षित त्रिपाठी, दुर्गेश श्रीवास्तव, माया सिंह, शहनाज, ज्वैल्स, जरीन,शिवांश उपाध्याय, आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 सितम्बर 2025 शनिवार

सम्पादकीय

8 साल बाद जीएसटी में राहत

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय–समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन–स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पेंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। निस्संदेह यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। लेकिन यह कितना लाभ आम आदमी को पहुंचाएगा, इस बात पर निर्भर करेगा कि सुधार को कितनी निरंतरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

वोटर अधिकार यात्रा : गांधी की प्रेरणा से अम्बेडकर के संकल्प तक

—अखिल कुमार यादव—

अगस्त 2025 की गर्मी, उमस और बारिश के फुहारों के बीच बिहार की सियासत में एक नई हवा चली। महागठबंधन ने 'वोटर अधिकार यात्रा' की शुरुआत की और यह कोई साधारण सियासी रैली नहीं थी, बल्कि लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा का एक जनजागरूकता अभियान बन गई। सासाराम के ऐतिहासिक मैदान में सुबह जब राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश साहनी मंच पर खड़े थे, हजारों लोग अपने हाथों में संविधान, लोकतंत्र और मताधिकार बचाओ के नारे लिए खड़े थे, तो यह स्पष्ट हो गया कि यह यात्रा केवल नेताओं की नहीं, बल्कि जनता की भी थी। भीड़ की ऊर्जा इतनी प्रबल थी कि हर कोई महसूस कर रहा था कि यह केवल दो सप्ताह की यात्रा नहीं, बल्कि बिहार में लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए एक चेतना का सशक्त संकल्प है। यात्रा ने दो सप्ताह तक बिहार के 23 जिलों को छुआ, सासाराम से शुरू होकर औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, पूर्णिया, कटिहार, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, बेतिया, गोपालगंज, सीवान, छपरा, आरा होते हुए पटना तक का सफर तय किया। यह मार्ग केवल भौगोलिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी रणनीतिक था। जातीय, सामाजिक और धार्मिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए, हर क्षेत्र में जनता तक संदेश पहुंचाने का ध्यान रखा गया ताकि हर तबके का विश्वास यात्रा में जुड़ सके। ग्रामीण इलाकों के साथ–साथ शहरी केंद्र और सीमांचल के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों तक भी यात्रा का प्रभाव महसूस किया गया। करीब 1300 किलोमीटर की यह यात्रा केवल सड़क यात्रा नहीं थी, यह संवाद का सफर था। हर जिले में स्थानीय मुद्दों पर खुला मंच तैयार किया गया, जहाँ जनता ने सीधे नेताओं से सवाल किए और अपनी समस्याओं का हल मांगा। लोग पहली बार देख रहे थे कि दलित, महिलाएं, युवा और अल्पसंख्यक नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ खुलकर संवाद कर सकते हैं। चर्चा का मुख्य विषय संविधान की रक्षा, आरक्षण और सामाजिक न्याय, बेरोजगारी, शिक्षा, बिजली और कृषि थे। यह स्पष्ट हो गया कि यह यात्रा केवल चुनावी रणनीति नहीं थी, बल्कि जनता के अधिकारों की लड़ाई थी और हर कदम पर यह संदेश जाता था कि लोकतंत्र केवल वोट देने तक सीमित नहीं, बल्कि उसके अधिकारों की रक्षा में सक्रिय भागीदारी भी है। 1 सितंबर को समापन के लिए जब यह यात्रा पटना पहुंची, तब यह चरम पर थी। गांधी मैदान में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, लालू यादव, राबड़ी देवी, शरद पवार, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश साहनी और अन्य बड़े नेता हजारों कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ उपस्थित थे। सभा स्थल से गांधी प्रतिमा तक और फिर अंबेडकर प्रतिमा तक आयोजित "गांधी से अंबेडकर मार्च" केवल कदमों का सफर नहीं था, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों और सामाजिक न्याय के सम्मान का प्रतीक बन गया। सड़कों पर हजारों की भीड़, जोश और नारों के साथ मार्च करती रही, और हर कदम पर यह संदेश देती रही कि बिहार का हर नागरिक संविधान और सामाजिक न्याय के लिए खड़ा है। राहुल गांधी ने सभा में कहा कि मताधिकार की चोरी मतलब लोकतंत्र, रोजगार और आरक्षण की चोरी है और यह सिर्फ चुनावी धांधली नहीं, बल्कि गरीब और नौजवान के भविष्य का खतरा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मतदाताओं के अधिकार की रक्षा भविष्य की रक्षा है और यह यात्रा सभी वंचित समाज—समूह को एक मंच पर लाकर बिहार में बदलाव की बुलंद आवाज खड़ी करने के लिए है। सभा में युवा और महिलाएं तालियों और नारों से इस संदेश का समर्थन कर रहे थे और यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और संवैधानिक चेतना को भी जागृत करने वाला है।

यात्रा ने भाजपा और जदयू के मजबूत क्षेत्रों में महागठबंधन की प्रगतिशील उपस्थिति दर्ज की और सीमांचल तथा दलित बहुल इलाकों में आधार भी मजबूत किया। कांग्रेस और आरजेडी ने बाबा साहेब डॉ०भीमराव आंबेडकर के विचारों को अपनाने का दावा किया ताकि दलित वोट बैंक में अपनी मजबूत पैठ बनाई जा सके। गांधी–अंबेडकर के नाम पर संदेश यह था कि सभी वर्गों और हाशिये पर खड़े लोगों के हित में संविधान की रक्षा, न्याय और रोजगार सुनिश्चित किया जाए। जनता की भागीदारी हर पड़ाव पर अभूतपूर्व रही। लोग पैदल, ट्रैक्टर, साइकल और बसों पर यात्रा में शामिल हुए। विश्वविद्यालय के छात्र, बेघर मजदूर और दलित बस्तियों की महिलाएं भी इसमें जुटीं और पटना के गांधी मैदान से अंबेडकर पार्क तक यह एहसास गहरा गया कि बिहार सामाजिक समरसता, लोकतंत्र और समानता के संवैधानिक आदर्शों पर फिर लिखने को तैयार है। यात्रा ने बिहार के कुल 38 जिलों में से 23 जिलों की परिक्रमा की। इस दौरान लगभग 1300 किलोमीटर का सफर तय किया, जिसमें करीब 150 विधानसभा क्षेत्र और 18 लोकसभा क्षेत्र शामिल रहे। जिसमें सीमांचल, मिथिलांचल, मगध और भागलपुर–अररिया जैसे संवेदनशील और जातीय दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे। पटना में समापन भाषण में राहुल गांधी ने कहा कि यह यात्रा सड़क पर चलने का नाम नहीं, बल्कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष का नाम है और वोट चोरी दरअसल आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक अधिकारों की चोरी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह यात्रा मतदाताओं के अधिकार की रक्षा और भविष्य की सुरक्षा के लिए है। महागठबंधन ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी कोशिश केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि बिहार में सभी वंचित, पिछड़े और हाशिये पर खड़े लोगों को अधिकार दिलाने की दिशा में है। 'वोटर अधिकार यात्रा' ने बिहार के लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा में नई चेतना और उम्मीद पैदा की। गांधी–अंबेडकर के नाम पर निकली यह यात्रा सिर्फ बिहार नहीं, बल्कि पूरे देश में लोकतंत्र प्रेमियों, युवाओं, दलितों, महिलाओं और किसानों के लिए मिसाल बन गई। 2025 के विधानसभा चुनाव में इसका असर कितना होगा, यह वक्त बताएगा, लेकिन इतना तय है कि यह यात्रा बिहार की नई सुबह का संदेश है एक ऐसा बिहार जो मतदाता के अधिकार, संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के आदर्शों के साथ आगे बढ़ता है।

इस यात्रा ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र केवल वोट देने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। गांधी से अंबेडकर तक के इस सफर ने यह संदेश दिया कि संविधान, अधिकार और समानता के लिए लड़ाई हमेशा चलती रहती है और जनता का समर्थन ही इसे वास्तविक शक्ति देता है। यह यात्रा, इसका जोश, इसका संदेश और इसकी ऊर्जा बिहार की राजनीति और समाज के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

मानसून और प्रकृति का रौद्र रूप

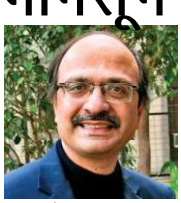

—दिनेश सी मिश्र—

निःसंदेह, आपदा लाने वाले पैटर्न जलवायु परिवर्तन से जुड़े हैं जिसमें मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। गलत नीतियों के चलते कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण व वन कटान जारी है। जिससे बाढ़, जनहानि व बुनियादी ढांचे को क्षति बढ़ रही है। इस विनाश पर अंकुश लगाने को नीतियों में जलवायु परिवर्तन चिंताओं को जगह, इंफ्रास्ट्रक्चर के जलवायु ऑडिट व पर्यावरणीय प्रभाव आकलन व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

दक्षिण–पश्चिम मानसून ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रखी है। अब तक मानसूनी बारिश सामान्य से अधिक रही है और चरम मौसम संबंधी अनेक घटनाएं देखने को मिली हैं। पहले पहाड़ी सूबे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू और कश्मीर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए तो अब पंजाब में भी भारी बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है, साथ ही राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ इलाके भी प्रभावित हैं। दक्षिणी राज्यों के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। बादल फटने, बाढ़, भूमि धंसने और भूस्खलन से जान–माल का काफी नुकसान हुआ है। इसी तरह, निजी संपत्ति और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भी भारी क्षति हुई। भारी बारिश के कारण पुल ढह गए हैं, कुछ बांध टूट गए, वहीं नए बने कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग भी बह गए और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने की सूचनाएं हैं। महत्वपूर्ण परिवहन संपर्क बाधित हुए हैं और फसलों की भारी तबाही की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की भविष्यवाणी है कि यह सिलसिला अभी जारी रहेगा। सितंबर माह में भी देशभर में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जिससे बाढ़, भूस्खलन, सड़क परिवहन में व्यवधान, जन स्वास्थ्य चुनौतियां और पारिस्थितिक क्षति जैसी मुश्किलें पैदा होने जा रही हैं। यह वैज्ञानिक रूप से स्थापित है कि वैश्विक मौसम बदलाव से भारतीय मानसून प्रभावित हुआ है। अध्ययन बताते हैं कि 1950 के दशक के बाद से अधिकांश थलीय क्षेत्रों में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है, और इसकी एक बड़ी वजह मानव–जनित जलवायु बदलाव भी है। अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) द्वारा जारी आवधिक आकलन में इन निष्कर्षों का संश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

मौसम विज्ञान विशेषज्ञ मानसून की बढ़ी तीव्रता के पीछे हिंद महासागर के ऊपर वायुमंडलीय नमी के अधिक जमाव को कारक मान रहे हैं, जो आगे, समुद्र सतह के तापमान में बढ़ोतरी के कारण बने अधिक वाष्पीकरण और साथ ही भूमि–समुद्र तापीय विषमता में इजाफे की वजह से यह जमाव और सघन हो रहा है। जैसे–जैसे मानसून विशालकाय वर्षा बादल समुद्र से लेकर, दक्षिण–पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ता जाता है वायुमंडलीय नमी का बढ़ा स्तर और ज्यादा नमी वाला आवरण पैदा करता जाता है, जिससे वृष्टि स्तर में और वृद्धि होती है। तो, क्या जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए हम आसान दोष जलवायु परिवर्तन पर मढ़ते जाएं और पर्यावरण, शहरी नियोजन, विकास, जल संसाधन, कृषि आदि से संबंधित अपनी सार्वजनिक नीतियों को 'पहले की भांति जारी' रखें? बिलकुल नहीं।

पहला, जलवायु परिवर्तन अपने आप में – जैसा कि आईपीसीसी द्वारा परिभाषित किया गया है – मानवीय गतिविधियों से पैदा घटना है। मसलन, मानसून के प्रमुख संचालक अवयवों में से एक – गर्मियों में भूमि और समुद्र के बीच तापमान में अंतर– में बदलाव हो रहा है, जो मानवीय गतिविधियों से पैदा अत्यधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण है।

जहां जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमीय घटनाएं (मानसून में मूसलाधार बारिश और गर्मियों में प्रचंड गर्मी) बढ़ रही हैं वहीं गलत सार्वजनिक नीतियों मसलन, कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण, पहाड़ियों का विनाश, वन कटाई आदि के कारण उनके प्रभाव के रूप का बाढ़, जनहानि, बुनियादी ढांचे को क्षति आदि बढ़ रहे हैं। इसका समाधान जलवायु परिवर्तन और दोषपूर्ण विकास नीतियों पर एक साथ काम करने में है। सबसे पहले, हमें सार्वजनिक नीतियों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढालना होगा। दशकों से हम यह कहते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इस पर कार्रवाई होती बहुत कम दिखाई देती है। राष्ट्रीय और राज्यों की जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं की प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने तक ही सीमित होकर रह जाती है।

दरअसल, सभी सार्वजनिक नीतियों में जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को मुख्यधारा बनाए जाने की। मसलन, पहाड़ों में नए जलविद्युत संयंत्र, राजमार्ग या सुरंग परियोजना का प्रस्ताव मंजूर करते वक्त अथवा निर्माण करते समय, हमें न केवल तात्कालिक पर्यावरणीय चिंताओं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न वर्तमान एवं भविष्य के जोखिमों का भी ध्यान रखना चाहिए। यही बात मैदानी इलाकों में विकास परियोजनाओं पर भी लागू होती है, जहां बिना सोचे–समझे कंक्रीटीकरण, झीलों और जलाशयों के विनाश के कारण शहरी बाढ़ एक नियमित घटना बन गई है।

दूसरा, हम पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) व्यवस्था की गहन समीक्षा करें। वर्षों से इसके अनिवार्य प्रावधानों को दरकिनार करने या इसे पूरी तरह से समाप्त करने के चतुर तरीके ईजाद किए गए हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण चार धाम राजमार्ग परियोजना है। संबंधित सरकारी एजेंसियों ने वृहद ईआईए नियमों पर अमल से बचने को 825 किमी लंबी परियोजना को 53 छोटे भागों में विभाजित कर दिया, जिससे प्रत्येक मार्ग की लंबाई 100 किलोमीटर से कम रह गई। इस तरह, वे पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने से बच निकले, क्योंकि ईआईए 100 किमी से अधिक लंबी सड़क परियोजनाओं हेतु अनिवार्य है।

एक बड़ी परियोजना के इस तरह टुकड़े कर,पर्यावरणीय नियमों को दरकिनार करने को पर्यावरणविदों ने उजागर किया और सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष उठाया था। कुछ मामलों में, ईआईए मंजूरी के बिना शुरू की गई परियोजनाओं को नियमित करने के लिए पर्यावरणीय मंजूरी पिछली तारीखों से प्रभावी दिखाकर प्रदान कर दी गई। सुप्रीमकोर्ट ने मई माह में इस प्रथा को अवैध करार देकर खत्म कर दिया।

विशालकाय विकास परियोजनाओं में निहित पारिस्थितिक जोखिमों की जानबूझकर अनदेखी और ईआईए शर्तों के उल्लंघन के विनाशकारी परिणाम, विशेष रूप से हिमालय में, अब साफ दिखाई देने लगे हैं। इसलिए, हमें न केवल ईआईए व्यवस्था पर पुनर्विचार करने और इसे अधिक कठोर बनाने की आवश्यकता है, बल्कि इसमें उन जलवायु परिवर्तन जोखिमों को भी शामिल करना होगा जो किसी परियोजना के जीवनचक्र के दौरान पैदा हो सकते हैं। साथ ही उन्हें कम से कम करने के तरीके भी। परियोजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि भविष्य की जलवायु परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाएं जिससे संभावित हानि व व्यवधान न्यूनतम हो सके। अनुपालन की निगरानी हेतु एक स्वतंत्र व्यवस्था विकसित की जाए।

तीसरा, हमें सभी मौजूदा बुनियादी ढांचों जलविद्युत परियोजनाएं, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क एवं रेल पुल, हवाई अड्डों – का 'जलवायु ऑडिट' करने की जरूरत है – वित्तीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि यह जांच करने के लिए कि क्या वे जलवायु–परिवर्तन अनुरूप हैं। ईआईए प्रणाली के लागू होने से पहले बने बुनियादी ढांचे के लिए यह और भी जरूरी है। जिन परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिल चुकी है, उनका ऑडिट उनकी मंजूरी के समय निर्धारित शर्तों के अनुपालन को लेकर हो। ऑडिट उपरांत, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को जलवायु–परिवर्तन–रोधी बनाने को आवश्यक उपाय शुरू किए जाएं। बतौर पहला कदम, पर्यावरण मंत्रालय को एक मजबूत जलवायु ऑडिट तंत्र और यथोष्ट मानक, प्रोटोकॉल और उपकरण विकसित करने चाहिए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या मौजूदा बुनियादी ढांचा बदलती जलवायु का सामना कर सकता है या नहीं। तत्पश्चात, एक ठोस और समन्वित, बहु–क्षेत्रीय राष्ट्रीय प्रयास शुरू किया जाए।—लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

सीखने का परिवेश भी बनाएं शिक्षक

—डॉ. मोनिका शर्मा—

बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने में पाठ्यक्रम संबंधी शिक्षण के अलावा भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। खासकर अपने सहज व्यवहार से स्कूल में बेहतर माहौल निर्मित करने में। जरूरी है कि वह बालमन को समझे। ऐसा वातावरण बनाए जिसमें बच्चा पढ़ाई के साथ जीने का सबक सीखे। नया व लीक से हटकर सीखने में उसकी रुचि पैदा हो। वहीं दो–तरफा संवाद भी सुनिश्चित बनाना शिक्षक का अहम दायित्व है।

सीखने के लिए सहज परिवेश का होना जरूरी है। क्लासरूम हो या स्कूल का परिसर, बच्चों पर पूरे वातावरण का असर पड़ता है। इस माहौल को सहज रखने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। बालमन को समझने से जुड़ा टीचर्स का नजरिया बहुत अहमियत रखता है। कहते हैं कि बच्चों का भविष्य बनाने में सबसे बड़ी जिम्मेदारी शिक्षकों के हिस्से ही आती है। इस दायित्व का अहम हिस्सा बालमन को समझना ही है। फिर बात चाहे किसी विषय का पाठ पढ़ाने की हो या जिंदगी जीने का सबक समझाने की। टीचर्स के व्यवहार की सहजता बहुत कुछ आसान कर देती है।

बच्चों के मन को समझते हुए शिक्षक उन्हें सहजता से सीखना सिखायें। हमारे यहां पढ़ाई सिर्फ अंकों की दौड़ बनकर रह गई है। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को उनके रुचिकर विषयों से जोड़ें। रटने और परीक्षा पास करने की दौड़ से बाहर लाकर, सही मायने में शिक्षित होने की ओर मोड़ें। अध्ययन ही नहीं, समाज का सहज अवलोकन भी बताता है कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जुनून पैदा करने में हम भूमिका निभा सकते हैं। सकारात्मक शैक्षिक वातावरण बनाकर बालमन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। सार्थक संवाद कर मन को साधना सिखा सकते हैं। इसीलिए टीचर्स बच्चों की कमियों और अच्छाइयों, दोनों पर बात करें। पढ़ाई को बोझ ना बनायें। कहते हैं कि ज्ञान की बातें तो किताबों में लिखी ही होती हैं। इन बातों को सही ढंग से समझाने का काम शिक्षक ही कर सकते हैं। अच्छे विचारों को व्यवहार में उतारने की प्रेरणा सिखाने वालों से ही मिलती है। किसी कला या खेल का प्रशिक्षण हो या पढ़ाई, अध्यापकों का यह सहज सा तरीका ही पढ़ने–सीखने के भाव को सार्थक बनाता है।

आज के दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बंधी–बंधाई लीक पर चलने के बजाय बच्चों को नवाचार से जोड़ें। नई चीजें सीखने को प्रेरित करें। तकनीक से जोड़ते हुए उसका संतुलित उपयोग करने का भाव जगाएं। मौजूदा दौर में कृत्रिम सुविधाओं से अटते संसार में बच्चों के भीतर छुपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का प्रयास बहुत आवश्यक हो चला है। क्लासरूम में तयशुदा पैटर्न पर चलने के बजाय बच्चों को नया और बेहतर सोचने के लिए मोटिवेट करना जरूरी है । इतना ही नहीं, शिक्षक ही बच्चों को सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की ओर मोड़ सकते हैं। ऐसा होने पर बच्चे ना तो बेहतर प्रदर्शन करने पर दिशाहीन होंगे और ना ही पीछे रह जाने पर उनका मन डिगेगा। स्पष्ट है कि ऐसा प्रेरणादायी माहौल बनाने के लिए बच्चों के मन और सोच की दिशा को समझना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों का सहज व्यवहार बहुत जरूरी है। औपचारिकता अध्यापकों को बच्चों के मन के करीब नहीं ला सकती। शिक्षकों और बच्चों का सहज जुड़ाव उनकी प्रतिभा और विचार की दिशा को समझने में मददगार बनता है। बालमन में नई चीजों को समझने और कुछ नया करने की दिलचस्पी जगाता है। अमेरिकी लेखक मार्क वैन डोरेन के अनुसार 'शिक्षण की कला खोज में सहायता करने की कला है।' हमारे यहां शिक्षकों और बच्चों में बहुत औपचारिकता भी देखने को मिलती है। यह बात क्या, कैसे और क्यों सीखना है की यात्रा में बाधा बनती है। असल में शिक्षक की जिम्मेदारी होती है कि वह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि मन–जीवन संवारने वाले अच्छे संस्कार भी दे।

बाइक चलाते समय रील बना रहे युवक महिला से भिड़े, फिर ट्रक से टकराए, तीन की मौत और एक घायल

संवाददाता—देवरिया। तेज रफ्तार बाइक पर रील बना रहे तीन दोस्तों की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में रोड पार कर रही महिला समेत दो लड़कों की मौत हो गई। मरने वाले दोनों लड़के नाबालिग थे। जिस बाइक से हादसा हुआ, वह 7 दिन पहले ही हाईस्कूल पास होने पर मृतक के पिता ने खरीदी थी। घायल लड़के का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

हादसा शुक्रवार सुबह कसया रोड पर हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, लड़के तेज रफ्तार बाइक पर रील बना रहे थे। तभी सामने सड़क पार कर रही महिला को देख कर लड़के घबरा गए। बाइक चला रहे लड़के ने पहले महिला को टक्कर मारी। इसके बाद सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसा। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। सदर कोतवाली के पिड़रा वार्ड नंबर 9 का रहने वाला किशन चौहान (17) पुत्र भूपेन्द्र चौहान बीआरडी इंटर कॉलेज में 11वीं का छात्र था। दो बहनों खुशबू और गुड़िया के बीच वह इकलौता भाई था। इसी साल 10वीं की परीक्षा पास की थी। पिता ने वादा किया था कि हाईस्कूल पास करने पर नई बाइक दिलाएंगे। 7 दिन पहले ही उन्होंने फाइनेंस पर अपाचे बाइक दिलवाई थी। इसी बाइक को लेकर किशन सुबह दोस्तों के साथ घूमने निकला था। उसके साथ रघवापुर वार्ड नंबर 1 का रहने वाला अनूप कुमार (16) पुत्र पिन्टू प्रसाद और राज (16) पुत्र विजय प्रसाद भी थे। अनूप और राज दोनों हाईस्कूल के छात्र थे। शुक्रवार सुबह लगभग 8 बजे जब तीनों बाइक से कसया रोड ओवरब्रिज के पास पहुंचे। गाड़ी की स्पीड बहुत ज्यादा थी और छात्र फोन से रील बना रहे थे। इसी समय मुन्नी देवी (40) सड़क पार कर रही थीं। सड़क पार करते समय ही किशन ने बाइक से उन्हें टक्कर मार दी।

इसके बाद छात्र संभल नहीं सके और बाइक अनियंत्रित हो गई। सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सभी लोग वहीं पर गिर पड़े। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने मुन्नी देवी, किशन चौहान और अनूप कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, राज की स्थिति गंभीर है। उसका महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। सदर कोतवाली पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इकलौते बेटे किशन की मौत के बाद माता—पिता का रो—रोकर बुरा हाल है। पिता बार—बार कह रहे हैं कि नई बाइक न दिलाई होती तो हादसा न होता। वहीं, मृतक अनूप शहर के महाराजा अग्रसेन इंटर कालेज में 10वीं का छात्र था। उसके दो छोटे भाई अनिकेत और पियूष हैं। उसके घर पर भी मातम पसरा हुआ है। मुन्नी सड़क किनारे ही अपने पिता पारस के साथ रहती थीं। सुबह घर के लिए पानी लेने गई थीं। उनकी 6 साल की बेटी छोटी और 2 साल का बेटा टेलू है। सीओ संजय कुमार रेड्ध्डी ने बताया कि कसया ओबरब्रिज पर डायल 112 के माध्यम से एक एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर लोगों के सहयोग से घायलों को मेडिकल कालेज भेजा गया, जहां दो छात्र और एक महिला को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूपी—बिहार के बाहुबलियों की बातचीत, बृजभूषण ने पूछा तो अनंत सिंह बोले— राहुल भौकाल बनाने आए थे

संवाददाता—गोण्डा। यूपी के बाहुबली बृजभूषण सिंह और बिहार के बाहुबली अनंत सिंह ने वीडियो कॉल पर बात की। बृजभूषण ने अनंत सिंह से बिहार चुनाव को लेकर डिटेल में जानकारी ली। जिम में कसरत करते हुए पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने पूछा— पीएम की मां को मंच से गाली देने वाले मामले में क्या सच्चाई है? जवाब में पूर्व विधायक अनंत सिंह ने कहाकि अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ था, लेकिन उस वक्त मंच पर कोई बड़ा नेता नहीं था। अनंत सिंह ने वोटर अधिकार यात्रा से होने वाले फायदा—नुकसान पर बात की। कहा— राहुल भौकाल बनाने आए थे। दोनों नेताओं की बातचीत का 5 मिनट का वीडियो सामने आया है। अनंत—बृजभूषण के बीच करीब दो साल बाद बात हुई। इस दौरान बिहार के मोकामा से पूर्व विधायक अनंत सिंह ने कहा— राहुल गांधी बिहार में प्रचार करने आए थे, लेकिन कोई खास असर यहां नहीं दिखा। वोटर अधिकार यात्रा भी पैसों के सहारे की गई थी, लोग बाहर से जुटाए गए थे।

अनंत सिंह ने बृजभूषण को बताया कि तेजस्वी यादव थोड़ा मजबूत जरूर दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अगर प्रधानमंत्री की मां वाला मामला तूल पकड़ लिया तो माहौल बदल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो उनकी भी मजबूती खत्म हो जाएगी।इस पर बृजभूषण सिंह ने कहा— कुछ हद तक कांग्रेस ने अपनी औकात दिखाई है। भाजपा भी चुनाव में पूरी ताकत झोंकेगी। अगर कांग्रेस और तेजस्वी यादव इतनी ताकत नहीं दिखाते तो भाजपा को लगता कि बिना प्रचार किए ही चुनाव जीत जाएगी। अब कार्यकर्ताओं और नेताओं को घरों से निकलना ही पड़ेगा।

बृजभूषण सिंह ने अनंत के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्हें अपनी सेहत पर ध्यान देने की सलाह दी। कहा— आपके बयान लगातार सुर्खियों में रहते हैं। आप चर्चा में बने रहते हैं, लेकिन थोड़ा सेहत पर भी ध्यान देना जरूरी है। अगर भाजपा मुझे बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए भेजेगी तो मैं आपसे मिलने जरूर आऊंगा।

जाना जाता है। उनकी गिनती बाहुबली राजनेताओं में होती है। वे लंबे समय तक जेडीयू से जुड़े रहे लेकिन बाद में राजद का दामन थाम लिया। मोकामा सीट से उनकी पत्नी विधायक हैं। अनंत सिंह पर कई आपराधिक केस दर्ज हैं। वह अक्सर विवादित बयानों की वजह से भी सुर्खियों में रहते हैं।

ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा ब्लाक के ग्राम सभा बरगदवा बाजार में ईद मिलादुन्नबी का त्योहार मनाया गया। यह त्योहार 12 रबीउल अव्वल को पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम के जन्म दिन के रूप में मनाया जाता है। मुस्लिम समुदाय ने बरगदवा बाजार से जुलूस निकाला। जुलूस बरगदवा, पिपरा, बरइठवा और अशोगवा होते हुए राजाबारी तक पहुंचा। थाना अध्यक्ष योगेंद्र कुमार के नेतृत्व में जुलूस सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हुजूर सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम की बारगाह में हाजिरी पेश की गई। दरूद शरीफ का जिक्र किया गया। इस अवसर पर गरीबों में सदका फितरा भी वितरित किया गया। जुलूस में डॉ. माहेआलम, रेहान, मुहम्मदीन खान, साबिर खान, वसीम अंसारी, अफताब अंसारी, तौहीद अंसारी, समीर खान और खुशदील अंसारी, गुड्डू यादव सहित कई लोग शामिल हुए। मुस्लिम समुदाय के लोग 12 रबी अल—अव्वल को मानव इतिहास का विशेष दिन मानते हैं। कुरआन में इस दिन की भविष्यवाणी का उल्लेख है।

सरकारी अस्पतालों में जेनेरिक दवाएं लिखना अनिवार्य

संवाददाता—महराजगंज। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज देने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र भेजा है। इसमें सभी सीएचसी अधीक्षकों और पीएचसी प्रभारियों को जेनेरिक दवाएं और जन औषधि केंद्रों की दवाएं लिखने के निर्देश दिए गए हैं। महराजगंज जिले में 17 सामुदायिक, 40 प्राथमिक और एक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। पहले यहां के डॉक्टर मरीजों को ब्रांडेड दवाएं लिखते थे। इससे मरीजों को महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती थीं।

नए निर्देश के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाएं दी जाएंगी। अगर कोई दवा अस्पताल में उपलब्ध नहीं है, तो डॉक्टर को जेनेरिक दवा ही लिखनी होगी। इन निर्देशों का पालन न करने वाले चिकित्सकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि सभी चिकित्सकों को नए निर्देशों से अवगत करा दिया गया है। उन्हें जन औषधि केंद्रों की दवाओं को प्राथमिकता देने को कहा गया है।

सरयू नहर से मिला अज्ञात युवक का शव

संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला थाना क्षेत्र में चेतिया मुरार गांव के पास सरयू नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने नहर में शव को बहता देखा। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गिलौला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नहर से बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र लगभग 30 से 40 वर्ष के बीच है। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। लेकिन अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया है। मृतक की पहचान के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

चार बंदर मृत मिले

संवाददाता—बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में पयागपुर थाना क्षेत्र की सरयू नहर खंड के पास स्थित सेवढा गांव के बाहर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार को यहां एक साथ चार बंदरों के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग और स्थानीय पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने चारों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए कलाम सतरही स्थित पशु चिकित्सालय भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बंदरों की मौत के पीछे जहर दिए जाने की आशंका जताई है। पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, बंदरों का पोस्टमॉर्टम कर शवों के नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

शिक्षक समाज का आइना, कभी सेवानिवृत्त नहीं होते —विधायक

संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने देवरिया में एक भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिला पंचायत सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए 54 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय मुकुन्दपुर के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि डॉ. शलभ मणि ने कहा कि शिक्षक समाज का आइना होते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल सरकारी नियमों की उम्र सीमा से मुक्त होते हैं, वास्तव में वे कभी सेवानिवृत्त नहीं होते। मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय ने शिक्षकों की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यालयों में अतिरिक्त समय और संसाधन लगाकर बच्चों का भविष्य संवारते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यालयों को संवारने और बच्चों का जीवन सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

कार्यक्रम में विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, वित्त एवं लेखाधिकारी मदन मोहन और खंड शिक्षा अधिकारी गोपाल मिश्र सहित हजारों शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष महाशय मिश्र ने की, जबकि संचालन सुनील त्रिपाठी ने किया।

882 गांवों में होगा पंचायत चुनाव, तैयारी तेज

संवाददाता—महराजगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 में जिले में पूर्व की तरह 882 ग्राम पंचायतों में चुनाव होगा। नगर निकायों में काई गांव या उसका हिस्सा नहीं होने से यहां परिसीमन का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिससे यहां 2021 की तरह ग्राम प्रधान के 882 ग्राम प्रधान के, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 1166 व जिला पंचायत सदस्य के 47 पदों व ग्राम पंचायत सदस्य के10172 पदों के लिए चुनाव होगा। पिछला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल 2021 में हुआ था। इसका पांच वर्ष का कार्यकाल मई 2026 में पूरा होगा। कुछ माह पहले ही प्रधानों का वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार समाप्त हो जाएगा। चुनाव को समय से कराने के लिए ग्राम पंचायतों के परिसीमन की कार्यवाही पूरी हो गई है। लेकिन यहां किसी ग्राम पंचायत या आंशिक भाग का नगर में नहीं जाने से परिसीमन को कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। 2021 के पंचायत चुनाव में जितने पदों पर मतदान हुआ था उतने ही पदों पर मतदान होगा। चुनाव को लेकर मतदाता पुनरीक्षण अभियान 19 अगस्त से चल रहा है। जिसमें बीएलओ घर घर जाकर मतदाता बनाने का कार्य कर रहे हैं। वहीं पंचायतों आरक्षण को लेकर भी मंथन चल रहा है। वर्तमान प्रधान से लेकर पूर्व प्रधान व नए संभावित सभी उम्मीदवारों की निगाहें अब केवल आरक्षण पर पर टीकी हैं। आरक्षण स्पष्ट नहीं होने से कोई खुलकर ताल नहीं ठोक रहा है। लेकिन कुछ लोगों ने होर्डिंग बैनर लगाना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। 2021 में 27588 लोग लड़े थे चुनाव त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2021 में प्रधान के 882, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 1166 ग्राम पंचायत सदस्य के 10172, जिला पंचायत सदस्य के 47 पदों के लिए 3028 बूथों पर मतदान हुआ था। इसमें सभी पदों को मिलाकर कुल 27588 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। इसमें प्रधान के 5722, बीडीसी के 6248 , ग्राम पंचायत सदस्य के 14852, जिला पंचायत सदस्य के 766 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजामा रहे थे। इसमें 18 लाख 70 हजार 370 मतदाताओं के सापेक्ष 71.02 मतदाताओं ने मतदान किया था

सीडीए एकेडमी सहित आसपास के शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बनकटी (बस्ती)। नगर पंचायत बनकटी के मथौली मे स्थित सीडीए एकेडमी विद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय की निर्देशिका अरुणा पाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं और अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर छात्रों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन को जीवन की दिशा बदलने वाला बताते हुए नाटक, कविता, गीत शिक्षा का उद्देश्य,भाषण आदि प्रस्तुत किए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिक्षकों को सम्मानित किया गया और उनके योगदान को सराहा गया। निर्देशिका अरुणा पाल सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं, जिनके ज्ञान और संस्कार से नई पीढ़ी का निर्माण होता है। यह दिन हमें शिक्षकों के सम्मान और उनके योगदान को याद दिलाता है। गुरु का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है। हमारे यहां गुरु को भगवान से भी ऊँचा दर्जा दिया गया है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम होती है। सीडीए एकैडमी का उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के साथ—साथ संस्कारों का विकास करना है।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के बच्चे हर्षिता पाठक,युवराज ने किया मुख्य भूमिका में खुशी,आदित्य एहतेशाम, शगुन ने निभाई। इसी क्रम में आसपास के अन्य शिक्षण संस्थानों मदरसा, प्राथमिक विद्यालय एवं कोचिंग सेंटरों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। जगह—जगह बच्चों ने अपने गुरुओं को फूल और उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अभिभावक और स्थानीय लोग भी शामिल हुए और शिक्षकों को शुभकामनाएँ दीं।

ईद मिलादुन्नबी त्योहार पर बनकटी और पंखोबारी से निकला मोहम्मदीय जुलूस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बनकटी बस्ती। ईद मिलादुन्नबी त्यौहार के अवसर पर शुक्रवार को नगर पंचायत बनकटी और आसपास के क्षेत्रों मे बानपुर, खोरिया,मथौली, बजहा, पक्वाबाजार, अहिरौली, बराहुआ, महथा,शंकरपुर,देवमी में बड़े ही हर्सोल्लास से मोहम्मदीय जुलूस निकाला गया। इस मौके पर लोगों ने नबी—ए—पाक की याद (जन्मदिन) में नात पढ़ते हुए नारे लगाए और शांति व भाईचारे का पैगाम दिया।

बनकटी में जुलूस मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मंजरे इस्लाम से निकाला गया। हाफिज सद्दाम हुसैन की अगुवाई में जुलूस विभिन्न मार्गो से होता हुआ ब्लॉक कार्यालय तक पहुँचा। इस दौरान जुलूस में शामिल लोगों ने नात—ए—पाक और सलाम पेश किया। जगह—जगह जुलूस का स्वागत फूल बरसाकर और शरबत पिलाकर किया गया।

इसी प्रकार पंखोबारी से भी जुलूस निकाला गया। सुन्नी नूरानी जामा मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस हाफिज अतहर हुसैन ष्शाही ष्के नेतृत्व में बर्रोहिया की ओर रवाना हुआ। जुलूस में सैकड़ों अकीदतमंद शामिल हुए। बच्चे, युवा और बुजुर्ग नबी—ए—पाक की शान में नारे लगाते

आगे बढ़ते रहे।

जुलूस के दौरान जगह—जगह पुलिस बल तैनात रहा। थानाध्यक्ष संजय कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों ने खुद मोर्चा संभालकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। और कहां माहौल खराब करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा स

हाफिज अतहर हुसैन ष्शाही ष ने कहा कि"ईद मिलादुन्नबी का यह जुलूस हमें पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की सीरत पर चलने और इंसानियत, भाई चारा,अमन और मोहब्बत का संदेश देने की प्रेरणा देता है।"

इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख अध्यक्ष नारायण पाल,पूर्व सभासद डावअनिल कुमार मौर्य,शिक्षक मोवइकबाल, वर्तमान सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद वसीम,

सभासद मोवहफिज, मौलाना निजामुद्दीन, शकील अहमद,मास्टर शकील, मोहम्मद शाहिद,डॉ मोहम्मद अशफाक,मोहम्मद भाई,मोवसमीर, शोहरत अली,मोहम्मद हाशिम, मोव जाबिर,मोहम्मद वसीम, जमीरउल्लाह,सादिक,मोहम्मद हसन, जैस मोहम्मद, मसल्हुद्दीन, मोवदिलशाद, धर्मेंद्र कुमार, मोव अमीन, इन्तियाज अहमद,इरसाद अहमद,तौफीक अहमद, मोवशाफिक,मो सिराज, अन्सार, मोवअजीज,मोवसद्दाम, जमाल अहमद आदि लोग मौजूद रहे ।

फार्मासिस्ट एसोसिएशन की बैठक में सांगठनिक विस्तार पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शुक्रवार को अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की मासिक समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष गिरिजेश सेन की अध्यक्षता में जिगिना चौराहा के निकट स्थित रेड स्टार हास्पिटल के सभाकक्ष में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव विजय पाण्डेय, विशिष्ठ अतिथि मण्डल अध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार मंडल, परमात्मा प्रसाद मंडल उपाध्यक्ष रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सांगठनिक विस्तार आवश्यक है। संगठन लगातार फार्मसिस्ट हित में लड़ाई लड़ रहा है, उम्मीद है 2026 में फार्मासिस्ट की वैकंसी आएगी । बैठक में आगामी 25 सितम्बर को फार्मासिस्ट दिवस को मनाने की रूप रेखा भी तैयार की गयी।

बैठक में जिला महासचिव वैभव श्रीवास्तव, बरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, ,जिला अध्यक्ष (आईटी सेल) फारूक अब्दुल्ला,मीडिया प्रभारी धर्मनाथ ने भी अपने विचार व्यक्त किये और संगठन विस्तार पर जोर दिया ।इस अवसर पर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के मंडल कार्यालय रेड स्टार हॉस्पिटल ,नारंग रोड ,जिगिना चौराहा , बस्ती का उद्घाटन श्री विजय पांडेय प्रदेश सचिव के द्वारा फीता काटकर किया गया। जिलाध्यक्ष गिरिजेश सेन ने कहा सरकार परीक्षा कराते समय केन्द्रों की दूरी पर ध्यान दे और परीक्षार्थियों को अकारण परेशान न किया जाय। पेट परीक्षा में जिस प्रकार से 500 किलोमीटर की दूरी तक केन्द्र बनाये गये वह दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उषांक चतुर्वेदी, अश्वनी चौधरी, सत्यम श्रीवास्तव , धर्मेंद्र कुमार, सत्येन्द्र सेन,अभिषेक, संदीप, विक्रम, सूरज के साथ अनेक फार्मासिस्ट शामिल रहे।

सपा की सम्मान यात्रा, पूर्व ग्राम प्रधानों को किया सम्मानित

संवाददाता—देवरिया। बरहज विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी ने सम्मान यात्रा निकाली। यात्रा बरहज—देवरिया बाईपास से शुरू होकर मोहाव गांव होते हुए काली मंदिर पर समाप्त हुई। सपा नेता विजय रावत ने यात्रा का नेतृत्व किया। कार्यक्रम में पूर्व ग्राम प्रधान श्रवण गौड़, अम्बिका पाल, राजेन्द्र कुशवाहा, शिव कुमार और अनिरुद्ध यादव को साल व मालाओं से सम्मानित किया गया। विजय रावत ने कहा कि भाजपा सरकार ने दस साल में समाज के एक बड़े वर्ग का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि सपा ऐसे सभी लोगों को सम्मानित करेगी। रावत ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने जनता के अधिकार छीन लिए हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई से किसान, नौजवान, व्यापारी और बेरोजगार परेशान हैं। सपा नेता अनिरुद्ध यादव ने कहा कि पार्टी अपने वादे पूरे करती है। उन्होंने कहा कि यह पीडीएफ सम्मान यात्रा विधानसभा के प्रत्येक गांव में जाएगी। इस सम्मान यात्रा के द्वारा समाजवादी पार्टी के नीतियों को लोगों को अवगत कराते हुए पार्टी से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में संजय प्रसाद, मनोज कुमार, अखघ्तर खघँ, दिनेश यादव, विकास यादव, विपिन सिंह और आदित्य यादव पतरू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

पैगंबर मुहम्मद ने दिया इंसानियत का संदेश : निकला जुलूस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। ईद— ए— मिलाद—उन—नबी के मौके पर शुक्रवार को नगर पंचायत बनकटी में हाफिज सद्दाम हुसेन के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। जुलूस में आजाद समाज पार्टी के महादेवा विधान सभाध्यक्ष रंजीत आजाद के साथ ही बड़ी संख्या में मुस्लिम और हिन्दू समाज के लोग शामिल हुये। जुलूस बनकटी से बररोहिया तक निकला गया ।

ईद— ए— मिलाद— उन—नबी त्यौहार पर लोगों ने पैगंबर साहब के जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुये कहा कि पैगंबर मुहम्मद ने इंसानियत, दया, न्याय और सेवा का संदेश दिया था। यह दिन समाज में भाईचारा और मेल—जोल बढ़ाने का भी अवसर है।

जुलूस में नबी हुसेन, मोहम्मद अमीन, हुसैन, हाफिज सद्दाम हुसैन, हाफिज मो. इमारन,मो. शफीक अब्दुल हक, जमाल, सूफियान, इमारन, जाहिद, जूनैद, दिलशाद, इसराइल, चाहत,अब्दुल हमीद,साहिल, शाहिद, नूर मो. , मो. सिराज, अंसार, मो. अय्यूब, इसरार, नबी हुसैन के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महंत मैथिलीरमण शरण की पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। जानकीघाट बड़ास्थान के साकेतवासी महंत मैथिलीरमण शरण महाराज कि 34 वीं पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किया गया। शुक्रवार को संतों ने महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण महाराज ने कहा कि पूर्वाचार्य महंत की भगवान सीताराम जी के प्रति अनन्य भक्ति रही है। उन्होंने जीवन पर्यन्त रसिक परम्परा का निर्वहन किया। वह किशोरी जी के अनन्य उपासक थे। मंदिर के सर्वांगीण विकास के साथ—साथ उन्होंने गौ, संत, विद्यार्थी सेवा पर विशेष ध्यान दिया। जो आश्रम में सुचारू रूप से चल रही है।

अंत महंत जन्मेजय शरण ने आए हुए संतों का स्वागत—सत्कार किया।पुण्यतिथि पर मुख्य रूप से बिंदुग्धाचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य, बड़ाभक्तमाल महंत अवधेश कुमार दास, मंगल पीठाधीश्वर कृपालु रामभूषण दास, जगन्नाथ मंदिर महंत राघव दास, महंत अर्जुन दास,श्यामासदन पीठाधीश्वर महंत श्रीधर दास, महंत विवेक आचारी, महंत अवधकिशोर शरण, महंत डॉ ममता शास्त्री,

महंत रामलोचन शरण, महंत भूषण दास, स्वामी छविराम दास, महंत जनार्दन दास, महंत रामदास करतलिया, महंत बलराम दास, करतलिया आश्रम के महंत बाल योगी रामदास,महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत उत्तम दास, नागा नंदराम दास, नागा रामलखन दास, महंत उद्धव शरण सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज, जानकी घाट बड़ा स्थान के पुजारी गगन देव शरण सहित अन्य लोग संतों की सेवा में पूरी तन्मयता से लग रहे और सभी लोगों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भूटान के प्रधानमंत्री ने रामलला के किए दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर से पांच सितंबर को इतिहास का नया अध्याय जुड़ गया। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद पहले विदेशी प्रधानमंत्री के रूप में भूटान के पीएम दासो शेरिंग टोबगे ने अपनी धर्मपत्नी के साथ रामलला के दर्शन किए। भूटान के प्रधानमंत्री शुक्रवार को सुबह 9:30 बजे अपने तय कार्यक्रम के अनुसार भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से बिहार के गया से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिनिधि के रूप में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही समेत विदेश मंत्रालय, शासन, प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। यहां से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से सीधे राम मंदिर के लिए रवाना हुए। इस दौरान थोड़ी देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया। भूटान के पीएम सुबह 10:00 बजे राम मंदिर पहुंचे। करीब एक घंटे 40 मिनट के राम मंदिर प्रवास में उन्होंने रामलला और राम दरबार के दर्शन किए। इसके साथ ही कुबेर टीला, जटायु और सप्त मंडपम के मंदिरों में भी दर्शन पूजन किया। उन्होंने लोअर प्लिंथ के चारों ओर लगने वाले म्यूरल के साथ परकोटा की दीवार पर लगने वाले ब्रांज के म्यूरल को भी निहारा।

इस दौरान अपने मोबाइल से रामजन्मभूमि परिसर की तस्वीरें कैद करते रहे। राम मंदिर की नक्काशी उनको बहुत अच्छी लगी। राम मंदिर में दर्शन और भ्रमण के दौरान वह काफी प्रसन्न थे। रामलला के दरबार में उन्होंने तीन बार साष्टांग प्रणाम किया। रामलला की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किया। इसके बाद चरणामृत प्रसाद ग्रहण किया।

गुमशुदगी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी श्रीमती नीतू सिंह पत्नी संतोष कुमार सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट– पिपरा गौतम, परगना–बस्ती पूरब, थाना– नगर, तहसील व जिला– बस्ती की मूल निवासिनी हूँ। हमारे द्वारा क्रय सम्पत्ति जो कि मौजा लैबुड़वा के गाटा संख्या 173 रकबा 1636 वर्ग फीट का रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनाँक 01.02.2007 बही स० 1. जिल्द स० 3378, पृष्ठ स०– 129 से 154 पर क्रमांक 442 के द्वारा लक्ष्मी पुत्र भीखी से सत्त्या जयसवाल ने क्रय किया था। तत्पश्चात रजिस्टर्ड दस्तावेज बैनामा दिनाँक 09.05.2012 बही सं0 1, जिल्द सं० 5072, पृष्ठ सं0 285 से 312 पर क्रमांक 1769 के द्वारा सत्या जयसवाल ने श्रीमती माया देवी को विक्रय किया था। तत्पश्चात माया देवी ने संजय सिंह को बैनामा लिखा। तत्पश्चात संजय सिंह व रामधनी के भाई हीरा ने हम प्रार्थिनी को बैनामा लिखा। उपरोक्त रजिस्टर्ड दस्तावेज जिनका रजिस्ट्रीकृत विवरण उपरोक्त दिया गया है। उपरोक्त दोनों मूल दस्तावेज कचहरी से पक्के बाजार जाते समय दिनाँक 01.07.2025 को दिन में लगभग 03.00 बजे कही गिर गया। प्रार्थिनी के द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी नही मिला तथा न ही मिलने की सम्भावना है। ऐसी सूरत में किसी के द्वारा गलत उपयोग में लाया जाता है तो वह अवैधानिक होगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद संख्या T202514170402089
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय रूधौली जिला–बस्ती

चन्द्रपाल सिंह
बनाम
आकाश आदि

1. आकाश पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. अजय प्रताप सिंह पुत्र शत्रुजीत सिंह ग्राम महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 3. अनिरूद्ध चौधरी पुत्र रामपलट ग्राम निवासी 4. अंजनी पुत्र राधेश्याम ग्रा0 निवासी 5. अभिषेक सिंह पुत्र प्रताप सिंह ग्रा0 निवासी 6. अमरनाथ पुत्र राम अवध ग्रा0 निवासी 7. कु0 शिल्पा पुत्री कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 8. केशरीनन्दन सिंह पुत्र चन्द्रभान सिंह ग्राम मझौवा जगत 9. गंगाराम पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 10. चन्द्रप्रताप पुत्र नरसिंह ग्राम मझौवा जगत 11. चिन्तामणि सिंह पुत्र राजकरन ग्राम मझौवाजगत 12. जगदम्बिका पाल सिंह पुत्र भानु प्रताप सिंह ग्राम महसिन 13. जगरनाथ पुत्र रामअवध ग्राम महसिन 14. ज्योति पुत्री राधेश्याम ग्रा0 महसिन 15. दिग्विजय सिंह पुत्र अजय सिंह ग्राम महसिन 16. देवकरन सिंह पुत्र रामजतन ग्राम मझौवा जगत 17. प्रदीप सिंह पुत्र राम सिंह ग्राम मझौवा जगत 18. प्रमोद कुमार चौधरी पुत्र रामकलप ग्राम महसिन 19. प्रांजल सिंह पुत्र दिलीप सिंह ग्राम महसिन 20. बाबूराम पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 21. भारती पुत्री रधेश्याम ग्राम महसिन 22. महेन्द्र कुमार सिंह पुत्र वीरेन्द्रसेन सिंह ग्राम महसिन 23. रणजीत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम मझौवा जगत 24. राघवेन्द्र पाल सिंह पुत्र भैरव प्रताप सिंह ग्राम महसिन 25. राजपाल पुत्र नरसिंह ग्राम मझौवाजगत 26. राजमती पत्नी निर्मल ग्राम मझौवा जगत 27. रामअज्ञा सिंह पुत्र रामदेव सिंह ग्राम मझौवाजगत 28. रामचन्दर पुत्र राम अवध ग्राम महसिन 29. रामजग पुत्र राम अवध ग्राम महसिन 30. रामनयन पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 31. रामनाथ पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 32. राम प्रताप सिंह पुत्र सभाजीत सिंह ग्राम महसिन 33. रामराज पुत्र रामहित ग्राम महसिन 34. रामलौट पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 35. ऋतिकराज चौधरी पुत्र रामकल्प ग्राम महसिन 36. विकास पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 37. विजय प्रताप सिंह पुत्र सभाजीत सिंह ग्राम महसिन 38. विद्यावती पत्नी इन्द्रबहादुर सिंह ग्राम बसियाखोर 39. विमला सिंह पत्नी पुरूषोत्तम सिंह ग्राम चडाव 40. विशाल पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 41. विशाल पुत्र राधेश्याम ग्राम महसिन 42. विश्राम मौर्या पुत्र सुखराज ग्राम महसिन 43. विश्वनाथ पुत्र रामसुभग ग्राम मझौवाजगत 44. विश्वविजय पुत्र अजय सिंह ग्राम महसिन 45. सत्यपाल सिंह पुत्र भानूप्रताप सिंह ग्राम महसिन 46. शिवपूजन पुत्र रामदेव सिंह ग्राम मझौवा जगत 47. शिवशंकर सिंह पुत्र रामसिंह ग्राम मझौवा जगत 48. आशा सिंह पत्नी अजय सिंह ग्राम महसिन 49. उर्मिला सिंह पत्नी प्रताप सिंह ग्राम महसिन 50. श्रीमती कवलपाती पत्नी दयाराम ग्राम महसिन 51. श्रीमती जानकी सिंह पत्नी भानू प्रताप सिंह ग्राम महसिन 52. श्रीमती बबिता सिंह पत्नी दिलीप सिंह ग्राम महसिन 53. श्रीमती मालती उर्फ कमला पत्नी भानु प्रताप सिंह ग्राम जरवा 54. श्रीमती सुनीता सिंह पत्नी कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 55. सत्यराम पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 56. सोनमती चौधरी पत्नी रामकल्प ग्राम महसिन 57. हरीराम पुत्र बीलर ग्राम महसिन 58. हुबलाल मौर्या पुत्र सुखराज ग्राम महसिन –प्रतिवादीगण पथम वर्ग 59. अध्यक्ष भूमि प्रबंधक समिति ग्राम पंचायत महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 60. सरकार उत्तर प्रदेश जरिए जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 04 माह 09 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सीएम योगी ने दिया आश्वासन, घबराइए मत, आपकी समस्या का कराएंगे समाधान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएंगे। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक–एक कर और इत्मीनान से

सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए जिससे उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

सेवा, करुणा और संस्कारों का पालन है सनातन संस्कृति

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के संत कबीर बाल आश्रम में राष्ट्रीय सनातन संस्कृति संगठन का प्रथम स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि संत कबीर परिनिर्वाण स्थली के पीठाधीश्वर महंत विचारदास ने कहा कि सनातन संस्कृति का सार केवल परंपराओं का निर्वाह नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और संस्कारों का पालन है। इस अवसर पर सहभोज, वस्त्र वितरण व हनुमान चालीसा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आश्रम के बच्चों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार प्रदान करना ही वास्तविक सेवा है। राष्ट्रीय सनातन संस्कृति संगठन द्वारा किया गया यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। संगठन की राष्ट्रीय प्रभारी महिला विभाग सोनी सिंह ने कहा कि यह स्थापना दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि संकल्प का भी अवसर है। संगठन का उद्देश्य है कि समाज के हर वर्ग तक सेवा और सहयोग की भावना पहुँचे। आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और संस्कारों के संवर्धन के लिए और व्यापक कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विकास कुमार गोंड ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सनातन से जुड़े लोगों को अपनी संस्कृति और संस्कारों की रक्षा के लिए जागृत करना है।

बड़ी संख्या में युवा मतदाता सूची में नहीं शामिल, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जताई चिंता

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित और शुद्ध बनाने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूचियों में धुंधली, काली या अस्पष्ट फोटो हटाकर स्पष्ट फोटो अपलोड की जाएं। मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त किया जाए। मकान नंबर सही से दर्ज हों। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से मतदाता सूची में पाई जाने वाली त्रुटियों को दूर करने पर बल दिया। बीएलओ को निर्देश दिए कि मतदाताओं से फार्म–8 भरवाकर एक माह में सभी त्रुटियों को ठीक करें। युवा मतदाताओं की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 18 और 19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या कुल मतदाताओं के अनुपात में 4 से 4.5 प्रतिशत होनी चाहिए। लेकिन, अयोध्या में यह सिर्फ एक प्रतिशत है। इसका मतलब है कि बड़ी संख्या में युवा अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। यह चिंताजनक स्थिति है। इसके लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से सहयोग लेने और शिक्षकों व अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर सभी युवा मतदाताओं के नाम समयबद्ध ढंग से वोटर लिस्ट में शामिल करें।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 04/2024

रामचन्दर
बनाम
काशीनाथ आदि

बनाम–1– काशीनाथ पुत्र राम प्रसाद 2. अशोक पुत्र काशीनाथ ग्राम करियापार राउत तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 3. अभिषेक उर्फ भानू पुत्र पंचराम 4. आलोक कुमार पुत्र काशीनाथ 5. जगदम्बा पुत्र नरसिंह निवासीगण करमागजा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 6. अंगद पुत्र रामपलट ग्राम करियापार राउत तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 7. सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र ओम प्रकाश ग्राम रेउली तप्पा जात कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 10 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–241/2025

रामअदालत
बनाम
श्रीमती पूजा

1. श्रीमती पूजा देवी उम्र 42 साल पत्नी मुकेश कुमार साकिन पिरैला नरहरिया तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. रामरती देवी उम्र 50 साल पत्नी राम प्रसाद चौहान साकिन सजगदीशपुर उर्फ नौगढ़वा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–142/2024

लालमन आदि
बनाम
रीला आदि

1. रीला उम्र लगभग 44 साल पुत्री स्व0 बदरी पत्नी चानू 2. चानू उम्र लगभग 46 साल पुत्र भोला निवासीगण मौजा भुवनी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

65 वर्षीय पत्नी ने पति पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, बोली– 12 साल से दोनों अलग, थानें में सुनाई आपबीती

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 65 वर्षीय बुजुर्ग पर उसकी पत्नी ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पति–पत्नी के बीच पिछले 12 वर्षों से विवाद चल रहा था और पीड़िता अपनी बेटी के साथ खोराबार क्षेत्र में अलग रह रही थी। पीड़िता के अनुसार, तीन महीने पहले दोपहर के समय पति अचानक घर पहुंचा। आरोप है कि पति के पहुंचते ही पहले विवाद हुआ, इसके बाद उसने दरवाजा बंद कर पीड़िता को धमकी दी और दुष्कर्म किया। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार न्यायालय एएसजे, एसपीएल पॉक्सो ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को सात साल के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायाधीश साक्ष्यों और गवाहों के बयान का अवलोकन करते हुए मुकदमा असलम निवासी सोनवरसा शंकरपुर थाना मोहाना को यह सजा सुनाई है। जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर सजा बढ़ जाएगी। सजा कराए जाने में जिला मॉनिटरिंग सेल, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता तथा न्यायालय पैरोकार आरक्षी अर्जुन थाना सिद्धार्थनगर का योगदान रहा।

जरूरी वस्तुओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए– अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। समाजवादी पार्टी से सांसद अवधेश प्रसाद ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जीएसटी संशोधन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में जीएसटी में राहत देना चाहती है तो सबसे पहले किसानों पर लग रहे कर को हटाए। किसान आज भी खाद, कीटनाशक और कृषि यंत्रों पर जीएसटी चुकाने के लिए मजबूर हैं। यह उनके ऊपर अतिरिक्त बोझ है, जबकि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के दावे करती है।

सांसद ने कहा कि इस संशोधन से आम जनमानस को कोई राहत नहीं मिल रही है। यदि सरकार की नियत साफ है तो उसे उन वस्तुओं पर जीएसटी हटाना चाहिए, जिनका उपयोग आम लोग करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल दिखावा कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि गरीब और किसान लगातार परेशान हैं।

अवधेश प्रसाद ने अफसोस जताते हुए कहा कि इस सरकार में तो कफन पर भी जीएसटी लगाया गया है। यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। देश में करीब 90 करोड़ लोग राशन पर निर्भर हैं, लेकिन इस जीएसटी संशोधन से उनकी आर्थिक हालत में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार को ईमानदारी से किसानों और गरीब वर्ग के लिए कदम उठाने चाहिए। जरूरी वस्तुओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदा्अलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0– 135/2010

रमेश चन्द्र
बनाम
शिवपूजन आदि

2/1 धर्मी बेवा मुनिरका उम्र लगभग 50 साल 2/2 मनोज कुमार उम्र लगभग 30 साल 2/3 संजय कुमार उम्र लगभग 26 साल 2/4 रंजय कुमार उम्र लगभग 23 साल 2/5 मंजेश कुमार उम्र लगभग 21 साल पुत्रगण मुनिरका 2/6 गीता देवी पुत्रबधू उम्र लगभग 35 साल विधवा पनोज कुमार 2/7 पूजा उम्र लगभग 17 साल 2/8 गुज्जी उम्र लगभग 14 साल नावालिगान पुत्रीगण पनोज कुमार 2/9 शिवा उम्र लगभग 11 साल पुत्र पनोज कुमार बवलायत संरक्षिका गीता देवी माता हकीकी साकिनान मौजा धनसा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–163/2022

धर्मनाथ
बनाम
राधेश्याम

1. राधेश्याम उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र रामबली निवासी तरेता तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–169/2024

अब्दुल कादिर
बनाम
श्रीमती आमिना खातून आदि

1. श्रीमती आमिना खातून पत्नी मो0 कासिम अली 2. कासिम अली पुत्र अहमद अली निवासीगण पिकौरा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. सादिक अली पुत्र नेवास अली निवासी पिकौरा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

किशोरी का कमरे में मिला शव,गले में लगा था फंदा

संवाददाता–गोरखपुर। बनोहिया गांव में शुक्रवार को कमरे में 13 वर्षीय किशोरी का शव मिला। गले में रस्सी का फंदा लगा था जबकि आधा फंदा छत की कुंडी में लगा था। परिजन व पुलिस ने आशंका जताई है कि किशोरी ने आत्महत्या की होगी। शव लटकने के बाद रस्सी टूट गयी होगी। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सहजनवा के समधिया चौकी क्षेत्र के बनोहिया निवासी रामप्रीत की बेटी खुशबू गुरुवार रात कमरे में सोने चली गयी। सुबह जब मां बाप सोकर छत से नीचे उतरे तो देखा कमरे में खुशबू का शव पड़ा है। गले में रस्सी का फंदा लगा था आधी रस्सी छत की कुंडी में लटकी हुई थी। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया दो साल पहले खुशबू कक्षा पांच के बाद पढाई छोड़ दी थी। कुछ दिनों से तबीयत खराब होने के कारण काफी अवसाद में चल रही थी। मौत के मां उर्मिला समेत अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पोल्ट्री फार्म की दुकान में आग, लाखों का नुकसान

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट थाना क्षेत्र के गोरखपुर–देवरिया मार्ग स्थित रानीडीहा चौराहे के समीप एक पोल्ट्री फॉर्म की दुकान के अंदर गुरुवार की रात करीब 10 बजे बिजली के शार्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान के अंदर लाखों रुपए की मुर्गी की दवा, दाना, पशु की दवा सहित काउंटर में रखी नगदी व सामान जल कर राख हो गया। आसपास के दुकानदारों दुकान मालिक के साथ कैंट पुलिस को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। गुलरिहा क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज निवासी डॉ. आलोक राय अपने पार्टनर यशवंत सिंह के साथ गोरखपुर–देवरिया मार्ग स्थित रानीडीहा चौराहे के समीप एसआर फार्मा के नाम से क्लीनिक, थोक सामान एवं फुटकर मुर्गी के दाने का कारोबार करते हैं। गुरुवार की रात करीब 8.30 बजे दुकान बंद करने के बाद वे शिवपुर सहबाजगंज स्थित अपने घर चले गए। रात करीब 10 बजे के आसपास लोगों ने आग लगने की सूचना दुकान के मालिक डॉ. आलोक राय और पार्टनर यशवंत सिंह के साथ कैंट पुलिस व फायर ब्रिगेड टीम को दी।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com